सीएसआईआर-सीरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भव्य आयोजन

मुख्य अतिथि डॉ एन कलैसेल्वी ने किया नई इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस गैलरी का उद्घाटन, उद्योगों को किए गए दो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

सीएसआईआर-सीरी में 11 मई, 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सीएसआईआर, नई दिल्ली की महानिदेशक डॉ (श्रीमती) एन कलैसेल्वी, सचिव, डीएसआईआर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। संस्थान के पूर्व निदेशक एवं संस्थान की अनुसंधान परिषद (रिसर्च काउंसिल) के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर, सीनियर इमेरिटस प्रोफेसर, बिट्स-पिलानी प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर सहकर्मियों को संबोधित करती हुईं मुख्य अतिथि डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर

संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित किए गए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में **डॉ एन कलैसेल्वी**, महानिदेशक, सीएसआईआर ने कहा कि पोखरण परमाणु अभियान की भूमि में स्थित सीएसआईआर की राष्ट्रीय प्रयोगशाला में आकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस संबोधन देना मेरे लिए गौरव का विषय है। अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने डॉ पंचारिया और उनकी टीम को इस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सीरी सहित अन्य सभी सीएसआईआर प्रयोगशालाओं को देश की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप बडे मिशन पर अन्य मंत्रालयों/विभागों/संगठनों के साथ मिलकर सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए। उन्होंने संस्थान की वैज्ञानिक जनशक्ति की प्रशंसा करते हुए वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि भारत को विकसित देशों में शामिल करने के लिए वे बड़े उद्देश्य निर्धारित करें और उन्हें पूरा करने के लिए यथाशक्ति प्रयास करें।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस संबोधन के दौरान डॉ एन कलैसेल्वी

उन्होंने संस्थान के सभी शोध उपकरणों व सुविधाओं का स्वयं अनुरक्षण (इन-हाउस मेन्टेन्स) करने के लिए तकनीकी जनशक्ति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अपने व्याख्यान में डॉ कलैसेल्वी ने सभी सहकर्मियों को समर्पण और कर्तव्य भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। हमारी प्रौद्योगिकियों पर अपना विश्वास व्यक्त करने के लिए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उद्योग के रूप में वे आम लोगों और अनुसंधानकर्ताओं के बीच महत्वपूर्ण सेतु और हमारे राजदूत हैं। उन्होंने सीएसआईआर और इसकी प्रयोगशालाओं की स्थापना की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने संस्थान में पुन: आने की भी इच्छा व्यक्त की।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथिगण एवं सहकर्मीवृंद

विशिष्ट अतिथीय संबोधन देते हुए प्रोफेसर चंद्रशेखर, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं अध्यक्ष, अनुसंधान परिषद

विशिष्ट अतिथि **प्रोफेसर चंद्रशेखर** ने सभी सहकर्मियों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रोफेसर चंद्रशेखर ने अपने संबोधन में इस दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने की शुरुआत 11 मई, 1999 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 11 व 13 मई 1998 को राजस्थान प्रदेश के पोखरण में किए गए भूमिगत परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ मनाने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि देश के नीति-नियंताओं ने देश के विकास के लिए स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही भारी उद्योगों, शोध संगठनों और शिक्षण संस्थानों की स्थापना की योजना पर कार्य आरंभ कर दिया था। उन्होंने कहा कि भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों एवं तकनीकीविदों आदि के कारण आज भारत पूरे विश्व में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सभी तकनीकीविदों का आह्वान किया कि वे देश को प्रौद्योगिकीय नवाचारों से पोषित करें।

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में स्वागत संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **डॉ पी सी पंचारिया** ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि सीएसआईआर महानिदेशक डॉ कलैसेल्वी और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर को शॉल एवं स्मृति चिह्न (पौधा) भेंट कर सम्मानित किया। अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ पंचारिया ने प्रौद्योगिकी दिवस मनाने की पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए सभी को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई

कार्यक्रम का संचालन **श्री प्रमोद तँवर**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने किया। अंत में **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, सेमिकंडक्टर्स एवं माइक्रोसेंसर्स समूह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, सेमिकंडक्टर्स एवं माइक्रोसेंसर्स समूह

इससे पूर्व प्रातःकालीन सत्र में सीएसआईआर महानिदेशक डॉ एन कलैसेल्वी ने संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं सभी समूह प्रमुखों/वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की और उन्हें वैश्विक वैज्ञानिक परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार और सीएसआईआर की अपेक्षाओं से अवगत कराया।

संस्थान के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों/अधिकारियों से चर्चा करती हुईं डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा पेयजल की गुणवत्ता मापने के लिए विकसित ऑल-इन-वन 'आईओटी एनेबल्ड फील्ड डिप्लॉयेबल वाटर टेस्टिग किट' और खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा की जांच करने के लिए विकसित 'हैंडहेल्ड आईओटी एनेबल्ड मिनिमल इनवेसिव बेस्ड हीमोग्लोबिन डिटेक्शन सिस्टम' का उद्योग जगत को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर किया गया। डॉ सत्यम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा विकसित दोनों प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण मेसर्स प्लास्टी सर्ज प्रा. लि., अमरावती (महाराष्ट्र) को किया गया।

महानिदेशक महोदया की उपस्थिति में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते हुए अधिकारीगण

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी समझौता ज्ञापन में डॉ मनीष मैथ्यु, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, टीबीडी, सीएसआईआर-सीरी तथा श्री आदित्य डागा, सीईओ, मेसर्स प्लास्टी सर्ज प्रा. लि. ने हस्ताक्षर किए।

पानी की गुणवत्ता मापने वाला 'स्मार्ट वॉटर एनालाइज़र' पीएच, गंदलापन (Turbidity), कठोरता (Hard ness), एल्कलेनिटी, क्लोरीन, सल्फेट, पोटाशियम, तांबा, क्लोराइड, मैंगनीज़, फलोराइड, अमोनिया नाइट्रेट, बोरोन, जिक आदि 22 पैरामीटरों पर पानी की जाँच करता है। यह सिस्टम ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों विधियों से कार्य करता है। वहीं संस्थान द्वारा विकसित 'स्मार्ट हीमोग्लोबिन मापन प्रणाली' से रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा की जांच भी त्वरित एवं अत्यंत किफायती होगी। दोनों ही डिवाइस (सिस्टम) पूर्णतया स्वदेशी हैं।

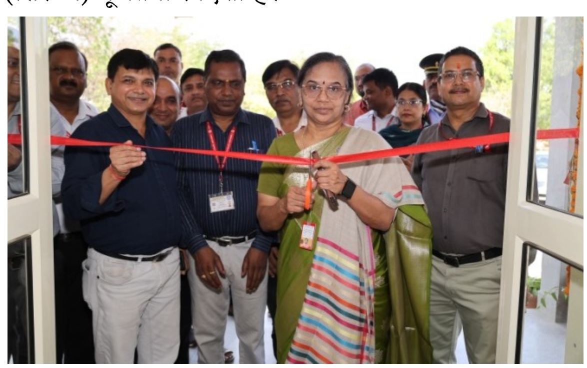

नई इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान दीर्घा का उद्घाटन करती हुईं डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर

विज्ञान दीर्घा में महानिदेशक महोदया को संस्थान की गतिविधियो की जानकारी देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान दीर्घा एवं कैफेटेरिया भवन (विस्तार) का उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर संस्थान में आगमन पर सर्वप्रथम डॉ कलैसेल्वी ने संस्थान की नवनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस गैलरी का उद्घाटन किया। उन्होंने विज्ञान दीर्घा में प्रदर्शित संस्थान में चल रहीं विभिन्न परियोजनाओं के तकनीकी पोस्टरों सहित प्रमुख शोध उत्पादों का अवलोकन किया। इसके अलावा महानिदेशक महोदया ने सीरी कैफेटेरिया के नवनिर्मित विस्तार भवन का भी उद्घाटन किया।

नए कैफेटेरिया भवन (विस्तार) का उद्घाटन करती हुईं डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुईं महानिदेशक महोदया

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं प्रयोगशाला परिदर्शन

डॉ कलैसेल्वी ने सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित प्रमुख प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और संबंधित वैज्ञानिकों से उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के संबंध में चर्चा की। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान अपने उन्हों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं उपलब्धियों की सराहना की। उन्होने संस्थान की शोध प्रयोगशालाओं में संस्थान की शोध गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

प्रयोगशाला परिदर्शन के दौरान संस्थान की शोध गतिविधियों का अवलोकन करती हुईं डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर

प्रीसीजन कृषि प्रायोगिक स्टेशन का भ्रमण

अपने पिलानी प्रवास के दौरान डॉ एन कलैसेल्वी एवं श्री प्रबन्ना बालन ने दिनांक 12 मई, 2024 को संस्थान के प्रीसीजन कृषि प्रायोगिक स्टेशन का भी अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान के प्रौयोगिक स्टेशन में लगाए गए हर्बल उद्यान सहित सेंसर आधारित ड्रिप सिचाई प्रणाली (ड्रिप इरिगेशन), माइक्रोफार्मिंग एवं अन्य शोध गतिविधियों का अवलोकन किया। अतिथियों द्वारा इस अवसर की स्मृति स्वरूप कृषि स्टेशन में पौधारोपण भी किया गया।

प्रीसीज़न कृषि प्रायोगिक स्टेशन में पौधारोपण एवं कृषि संबंधी शोध कार्यों का अवलोकन करते हुए डॉ कलैसेल्वी एवं श्री प्रबन्ना बालन

संस्थान के प्रीसीजन कृषि प्रायोगिक स्टेशन भ्रमण के बाद डॉ पी सी पंचारिया एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने महानिदेशक महोदया एवं श्री बालन को सादर विदा किया।

इस प्रकार महानिदेशक महोदया का सीएसआईआर-सीरी, पिलानी दौरा संपन्न हुआ।

<u>आयोजन समाचार पत्रों की नज़र से</u>

दैनिक मृदुल पत्रिका

सीएसआईआर–सीरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भव्य आयोजन

महानिदेशक डॉ कलैसेल्वी ने किया नई इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस गैलरी का उद्घाटन

राजस्थान पत्रिका

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस आज | सीएसआइआर-सीरी ने तैयार किया स्वदेशी उपकरण

महज 10 से 50 पैसे में हो जाएगी खून में हीमोग्लोबिन की जांच

पांच साल तक सुरक्षित रहेंगे डेटा

सफल रहे प्रयोग: पंचारिया

तत्काल मिलेगी रिपोर्ट

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

सीएसआईआर महानिदेशक ने किया नई इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस गैलरी का उद्घाटन

दो प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया

राजस्थान पत्रिका

झुंझुनूं पत्रिका

राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस आज : सीरी के वैज्ञानिकों का कमाल, तैयार किए स्वदेशी उपकरण, सस्ते में हो जाएगी जांच

महज 10 से 50 पैसे में हो जाएगी खून में हीमोग्लोबिन की जांच

पानी की एक बूंद डालने पर हो जाएगी सभी निर्धारित 22 मानकों की जांच